

नमसकर दोस्तों

आज हम बात कर रहे हैं नीट दो हजार चौबीस परीक्षा से जुड़े विवादों और अनिश्चितता के बारे में। आशा है की आप लोगो को नीट में हुए कांड के बारे में ऑलरेडी पता चल चुका होगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर नीट घोटाले दो हजार चौबीस की खबरों से भरा पड़ा है। जनता नीट परीक्षा की जांच की मांग कर रही है। ट्विटर पर "#NEET", "#NEETfraud", "#NEET\_paper\_leak", "हैश टैग neetscam दो हजार चौबीस", "#NEET\_reconduct" और कई अन्य हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। लोग यह भी पूछ रहे हैं कि "क्या नीट दो हजार चौबीस फिर से होगा"?

कई लोगों ने अनियमितताओं और परिणाम घोषित करने के असामान्य समय का हवाला देते हुए एनटीए के खिलाफ शिकायत दर्ज की है और नीट की परीक्षा दोबारा कराने की मांग कर रहे हैं। तो आइए जानते हैं क्यों है ये आक्रोश 718/719 नम्बरों का दिया जाना।

1।

जैसे कि आपको पता होगा की अगर कोई अभ्यर्थी सारे सवाल सही करता है तो उसके सात सो बीस अंक आते हैं अगर एक सवाल गलत करता है तो सात सो पंद्रह अंक आते हैं और अगर एक सवाल छोड़ता है तो उसके सात सो सोलह अंक आते हैं तो सात सो उननीस और सात सो अठरा का तो सवाल ही नहीं होता। एनटीए ने इसपर टिप्पणी करते हुए कहा है कि छह ऐसे परीक्षा केंद्रों का भी है, जहां प्रश्न पत्र के गलत वितरण और फटी ओएमआर शीट के कारण करीब सोलहसो अभ्यर्थी प्रभावित हुए। उनका आरोप था कि उन्हें कम समय मिला। इसलिए चिंतित उम्मीदवार पुनः परीक्षा या समय के मुआवजे की मांग करते हुए हाइ कोर्ट गए। इसलिए हमने कोर्ट को कमेटी के गठन की जानकारी दी। हाई कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। हमारी समिति की बैठक हुई और उन्होंने पाया कि छात्रों का समय बर्बाद हुआ है तो मुआवजा दिया जाना चाहिए इसलिए अभ्यर्थियों को ग्रेस मार्क्स दिये गए हैं लेकिन सवाल है कि इसका कोई मैथ्स है ही नहीं कि किसको कितने और कैसे ग्रेस मार्क्स दिये गए हैं।

2।

हरियाणा के एक ही सेंटर से एक ही सिक्वेंस के आठ बच्चों के 720 में 720 नंबर आए हैं। ये सभी रैंक 1 पाए हैं, अब सवाल ये उठ रहा है कि एक साथ एक ही सेंटर ... पर ऐसा कैसे हो सकता है। इसके अलावा तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और गुजरात के एक ही सेंटर से दो-दो बच्चों ने 720 में 720 हासिल किए हैं। इसे लेकर भी... सवाल उठ रहे हैं इसपर भी एनटीए का कोई जवाब नहीं है

3।

नीट रिजल्ट 10 दिन पहले घोषित करने की जल्दबाजी क्यों?

निर्धारित परिणाम तिथि से 10 दिन पहले नीट 2024 परिणाम की घोषणा ने एनटीए की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नीट के सूचना बुलेटिन के अनुसार नीट यूजी 2024 का परिणाम 14 जून को घोषित किया जाना था। हालांकि, सभी को आश्चर्यचकित करते हुए एनटीए ने 4 जून को नीट परिणाम घोषित किया, उसी दिन जब लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम घोषित किए गए थे। एनटीए ने जानबूझकर नीट का रिजल्ट लोकसभा चुनाव परिणाम वाले दिन घोषित किया है जिससे मीडिया इसको कवर न करे।

क्या नीट 2024 दोबारा संभव है?

प्रश्न पत्र लीक होने और नीट परिणामों में अनियमितता के आरोपों के कारण नीट यूजी 2024 परीक्षा को फिर से आयोजित करने का अनुरोध करते हुए भारत के सर्वोच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की गई है। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने नीट यूजी परीक्षा परिणाम जारी करने पर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी है।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पुष्टि की है कि परीक्षा निष्पक्ष रूप से आयोजित की गई थी और पेपर लीक का कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। दोबारा नीट 2024 की संभावना अभी तक अस्पष्ट है और यह याचिका के फैसले और मामले में बाद की प्रगति से निर्धारित होगी। यदि भारत के सर्वोच्च न्यायालय को नीट पेपर लीक और परिणाम में अनियमितताओं के संबंध में कोई निर्णायक सबूत मिलता है, तो इस बात की अधिक संभावना है कि नीट परीक्षा फिर से आयोजित की जा सकती है।

ये सवाल 20000 बच्चों का डॉक्टर बनने और न बनने का है इसे हल्के में बिलकुल नहीं लिया जा सकता है इसे सब लोग भूत ही सेरीऔसली ले और इस्स विडियो को जायदा से जायदा लाइक अँड शेयर करिएन वे वर विथ यू अँड वे विल ऑल्वेज़ बे विथ you